



# PRINCE SCHOOL

Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class VI to XII (Science, Commerce, Arts & Agriculture)

Piprali Circle, Sikar-332001 (Raj.), Helpline : 9610642222, 961067-2222

Website- [www.princeeduhub.com](http://www.princeeduhub.com), E-mail : [princepipraliroad@gmail.com](mailto:princepipraliroad@gmail.com)

Class - XII

Maximum Time - 03 : 15 Hrs.

Subject - Hindi

Maximum Marks : 80

**MODEL PAPER - 02 : (SESSION : 2024-25)**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :-

- 1 प परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
- 2 प सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
- 3 प प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
- 4 प जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- 5 प प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए-

- |       |   |   |
|-------|---|---|
| (i)   | महादेवी वर्मा द्वारा पाले गए पशु-पक्षियों में 'गोधूलि' किसका नाम था ? | 1 |
|       | (अ) गाय (ब) हिरनी   |   |
|       | (स) बिल्ली (द) चिड़िया  |   |
| (ii)  | 'जूझ' आत्मकथात्मक उपन्यास में गणित के अध्यापक का नाम है-              | 1 |
|       | (अ) गणपा (ब) मंत्री   |   |
|       | (स) रणनवरे (द) सौंदलगेकर  |   |
| (iii) | श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा किससे युक्त है ?               | 1 |
|       | (अ) श्रेष्ठ गुणों से (ब) गंभीर दोषों से                               |   |
|       | (स) स्वार्थों से (द) मानव कल्याण से                                   |   |
| (iv)  | 'कृषीवल' शब्द का क्या तात्पर्य है ?                                   | 1 |
|       | (अ) किसान (ब) बैल   |   |
|       | (स) मजदूर (द) अनाज  |   |
| (v)   | 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना क्या है ?                        | 1 |
|       | (अ) परिवार की कहानी   |   |
|       | (ब) अपनापन  |   |
|       | (स) पुरानी पीढ़ी व नई पीढ़ी के बीच अंतराल व वैचारिक मत भेद            |   |
|       | (द) दिखावटी पन  |   |
| (vi)  | 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' का आशय है-                                  | 1 |
|       | (अ) समय परिवर्तनशील है। (ब) समय बड़ा बलवान है                         |   |
|       | (स) समयानुसार कार्य करे (द) उपर्युक्त सभी                             |   |

- (vii) बच्चों को खतरनाक किनारों से कौन बचाता है ? 1  
 (अ) पतंग की डोर (ब) कपास  
 (स) रोमांचित शरीर का संगीत (द) छत का किनारा
- (viii) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता के कवि हैं- 1  
 (अ) आलोक धन्वा (ब) कुंवर नारायण  
 (स) रघुवीर सहाय (द) उमाशंकर जोशी
- (ix) बाजार की जादुई ताकत हमें कैसा बना देती है ? 1  
 (अ) आजाद (ब) गुलाम  
 (स) शैतान (द) खुशहाल
- (x) यशोधर बाबू किसके आदर्शों पर चलते थे ? 1  
 (अ) माता-पिता (ब) गांधीजी  
 (स) कृष्णानन्द पाण्डे (द) मेनन
- (xi) सौंदलगेकर मास्टर लेखक को क्या पढ़ाते थे ? 1  
 (अ) हिन्दी (ब) मराठी  
 (स) संस्कृत (द) गणित
- (xii) मुअनजो-दड़ो का अर्थ है- 1  
 (अ) काली चूड़ियाँ (ब) मोहन का पुरा  
 (स) मुर्दों का टीला (द) कृष्ण का गाँव
- (xiii) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का प्रारंभ कब हुआ ? 1  
 (अ) 1987 (ब) 1988  
 (स) 1983 (द) 1993
- (xiv) भाषा की सबसे छोटी इकाई है - 1  
 (अ) वर्ण (ब) शब्द  
 (स) पद (द) वाक्य
- (xv) वर्तमान में हिन्दी हमारी कौनसी भाषा है ? 1  
 (अ) मातृभाषा (ब) राजभाषा  
 (स) राष्ट्रीय भाषा (द) क्षेत्रीय भाषा
- (xvi) प्रिन्ट माध्यम हेतु भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला - 1  
 (अ) 1556, में गोवा में (ब) 1650, मद्रास में  
 (स) 1856, आगरा में (द) 1951, मुम्बई में
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो -
- (i) जब किसी वस्तु या व्यक्ति का वर्णन इतना बढ़ा-चढ़ा कर किया जाए कि लोक-सीमा का उल्लंघन प्रतीत हो, वहाँ.....अलंकार होता है। 1
- (ii) 'परिपत्र' शब्द के लिए अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द.....है। 1
- (iii) जब किसी शब्द से अभिधेयार्थ व लक्ष्यार्थ ग्रहण में असमर्थता होती है, तब वहाँ.....शब्द शक्ति होती है। 1
- (iv) शुभ कार्यों में लम्बोदर की पूजा की जाती है। उक्त वाक्य में.....शब्द शक्ति है। 1
- (v) 'चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थी जल-थल में।' पंक्ति में.....अलंकार है। 1
- (vi) DISPOSAL शब्द का हिंदी परिभाषिक शब्द..... है। 1

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1x6=6

भारत वर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है। यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं। ऋतुएँ अपने अनुकूल फल - फूलों का सृजन करती हैं। धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है। यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं। यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पड़ती। भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसंद करते थे। प्रकृति - प्रेम के कारण यहाँ के लोग पत्तों में खाना पसंद करते हैं। वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं। सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है। पारिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया है। भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनंद को अधिक महत्त्व दिया गया है। इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है। अतिथि को भी देवता माना गया है - 'अतिथि देवो भवः'।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
- (ii) भारत में नैमित्तिक कार्यों में किसको शुभ माना जाता है ?
- (iii) 'अतिथि देवो भवः' मूलतः कौनसे देश की संस्कृति मानी जाती है ?
- (iv) भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा किस रूप में रही है ?
- (v) भारतीय मनीषी यहाँ रहना पसंद करते थे ?
- (vi) 'नगाधिराज' किसे कहा गया है ?

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कीजिए :-

1x6=6

मैं सहज मानिनी रही, सरल क्षत्राणी,  
इस कारण सीखी नहीं दैन्य यह वाणी।  
पर महा दीन हो गया आज मन मेरा,  
भावज्ञ, सहेजा तुम्हीं भाव - धन मेरा।  
समुचित ही मुझको विश्व - घृणा ने घेरा,  
समझाता कौन सशान्ति मुझे भ्रम मेरा ?  
यों ही तुम वन को गये, देव सुरपुर को,  
मैं बैठी ही रह गई लिये इस उर को।  
बुझ गई पिता की चिंता भरत - भुजधारी,  
पितृभूमि आज भी तप्त तथापि तुम्हारी।  
भय और शोक सब दूर उड़ाओ उसका,  
चलकर सुचरित, फिर हृदय जुड़ाओं उसका।  
हो तुम्हीं भरत के राज्य, स्वराज्य सम्भालों,  
मैं पाल सकी न स्वधर्म, उसे तुम पालो।  
स्वामी को जीते जी न दे सकी सुख मैं  
मरकर तो उनको दिखा सकूँ यह मुख मैं।  
मर मिटना भी है एक हमारी क्रीड़ा।  
पर भरत -वाक्य है - सँहूँ विश्व की व्रीड़ा  
जीवन - नाटक का अन्त कठिन है मेरा,  
प्रस्ताव मात्र में जहाँ, अधैर्य अँधेरा।  
अनुशासन ही था मुझे अभी तक आता,  
करती है तुमसे विनय आज यह माता।

- (i) क्षत्राणी की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?
- (ii) भरत की माता कैकेयी की राम से क्या शिकायत है ?
- (iii) आज अयोध्या की क्या अवस्था है ?
- (iv) प्रस्तुत काव्यांश में किस शैली का प्रयोग हुआ है ?
- (v) उपर्युक्त पद्यांश में कैकेयी के व्यक्तित्व का कौन -सा स्वरूप व्यक्त हुआ है ?

(vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

**खण्ड - ब**

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :-

5. हिन्दी में 'नेट पत्रकारिता' पर टिप्पणी लिखिए। 2
6. 'पतंग' कविता में किन-किन बिम्बों को चित्रित किया है ? 2
7. 'भाषा को सहूलियत से बरतने' से क्या अभिप्राय है ? 2
8. सिंधु घाटी सभ्यता जल-संस्कृति थी, समझाइए। 2
9. यशोधर बाबू की आँखों की कोर में नमी क्यों छा गई थी ? 2

**खण्ड - स**

प्रश्न संख्या 10 से 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए तथा 14 एवं 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

10. कवि रघुवीर सहाय की कविता 'कैमरे में बन्द अपाहिज' में किस पर व्यंग्य किया है ? स्पष्ट कीजिए। 3

**अथवा**

11. 'उषा' कविता में व्यक्ति केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए।  
'भक्तिन' नामक संस्मरणात्मक रेखाचित्र को परिस्थितिवश अक्खड़ बनी पर महादेवी के प्रति अनमोल आत्मीयता से भरी भक्तिन के बहाने स्त्री अस्मिता की संघर्ष पूर्ण आवाज के रूप में पढ़ा जाना चाहिए। इस कथन की प्रामाणिकता में तर्क दीजिए। 3

**अथवा**

12. सिद्ध कीजिए कि 'शरीष के फूल' निबंध सांस्कृतिक संदर्भों व शब्दावली की भड़कीली खोल के भीतर सहज भाव धारा के मधुरम से युक्त है।  
एक शिक्षक अपने विद्यार्थी के जीवन को कैसे बदल सकता है ? 'जूझ' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित समझाइये ? 3

**अथवा**

13. मुअनजो-दड़ो नगर की नालियों एवं घरों के संबंध में वर्णन कीजिए।  
विशेष लेखन की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए। 3

**अथवा**

14. विश्व में इंटरनेट पत्रकारिता का इतिहास समझाइए।  
जैनेन्द्र कुमार का लेखक परिचय लिखिए। 3

**अथवा**

हजारी प्रसाद द्विवेदी का कवि परिचय लिखिए।

**खण्ड - द**

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - 6

अट्टालिका नहीं है रे  
आतंक-भवन  
सदा पंक पर ही होता,  
जल-विप्लव-प्लावन,  
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से  
सदा छलकता नीर,  
रोग-शोक में भी हँसता है  
शैशव का सुकुमार शरीर।  
रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष

**अथवा**

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, न बलि  
बनिक को न बनिज, न चाकर को चाकरी  
जीविका विहीन लोग सीधमान सोच बस,  
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई का करी' ?  
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,  
साँकरे सबै पै, राम ! रावरें कृपा करी।

सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए । तात्पर्य यह है कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है।

#### अथवा

शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल-पुष्पों को मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार जमाने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

17. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर में विभिन्न पदों पर आवेदन करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिये एक विज्ञापित लिखिए।

#### अथवा

विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला में सामग्री क्रय करने हेतु निविदा लिखिए।

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए। (शब्द-सीमा: 300 शब्द)

- 1) आतंकवाद- एक वैश्विक समस्या
- 2) नारी-शिक्षा आज की आवश्यकता
- 3) विद्यार्थी और अनुशासन
- 4) पर्वतीय स्थल की मेरी यात्रा

\*\*\*\*\*